GOVERNMENT (AUTONOMOUS) GIRLS POST GRADUATE
COLLEGE OF EXCELLENCE, SAGAR (M.P.)
(NAAC 'A' Grade Accredited)
07582 404480 heggpgcsag@mp.gov.in www.ggpgcs.com

One Week Workshop on Career Guidance

(Pratiyogi Pariksha Ki Taiyari)

एक नजर में

नवभारत

प्रबंधन ही व्यवसाय की समस्याओं का समाधान

सागर. शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. असफाक सिद्दीकी ने कहा कि नए व्यवसाय के लिए एक निश्चित नीति, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक कार्य क्षमता होना आवश्यक है. आलोक सिंह ठाकुर ने शासकीय क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी. प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि जो किताबी ज्ञान है उसे महज ज्ञान न समझें, वरन् उसे अपने जीवन में उतारें. डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रटकर, समझकर एवं अभ्यास करके ही आगे बढ़ सकते हैं. सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने संचालन किया. आभार सचिव डॉ. अंशु सोनी ने माना.

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियां एवं समाधान विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

प्रबंधन ही व्यवसाय की समस्याओं का समाधान है : डॉ. सिद्दीकी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. गर्ल्स डिग्री कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, चुनौतियां एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता इन्फिनिटी कॉलेज के डॉ. अश्फाक सिद्दीकी ने व्यवसायिक प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी।

नए व्यवसाय के लिए एक निश्चित नीति, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक कार्य क्षमता होना आवश्यक है। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता आलोक सिंह ठाकुर ने कहा किं वर्तमान में अवसरों की कमी और चाहने वाले लोग ज्यादा हैं, इसलिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो गई है। अतः आप अपनी क्षमताओं को पहचाने व लक्ष्य निर्धारित करें, जीवन में कुछ भी असम्भव नहीं है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि जो किताबी ज्ञान है उसे महज ज्ञान न समझें, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारें। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रही डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रटकर, समझकर एवं अभ्यास करके ही आगे बढ़ सकते हैं। कार्यशाला सह-समंवयक डॉ. संजय खरे ने कहा कि तभी तक कठिनाई है, जब तक कि जानकारी का अभाव हो। यह कार्यशाला आपकी इस समस्या का समाधान करेगी। आभार आयोजन सचिव डॉ. अंशु सोनी ने माना।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए एनसीईआरटी की किताबों को पढ़ने और नोट्स बनाने की आदत भी डालें : शुक्ला

भास्कर संवाददाता | सागर

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, चुनौतियां एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला ने प्रतिभागियों को यूपीएससी की तैयारी के लिए विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा एनसीईआरटी किताबों को पढ़ने एवं नोट्स बनाने की आदत बनाएं। साथ ही कहा कि एक औसत दर्जे का विद्यार्थी भी अपनी लगन, आत्मविश्वास एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विशिष्ट अतिथि कमलेश मनरेगे ने प्रतिभागियों को सफलता के लिए ड्यूटी, डेडीकेशन एवं डिसिप्लिन का अनुसरण करने की बात कही। अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि सफलता उसी को मिलती है, जिसने अपने आपको उसके काबिल बनाया है। वहीं डॉ. संजय खरे ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को निश्चित कर सही रणनीति बनाकर सफलता प्राप्त करने में मार्गदर्शक साबित होगी। कार्यशाला को समन्वयक डॉ. आंनद तिवारी, डॉ. अंशु सोनी, डॉ. केके राव ने भी संबोधित किया। डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि छात्राओं के कैरियर निर्धारण में यह कार्यशाला उपयोगी सिद्ध होगी। इस दौरान डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. एमएम चौकसे, डॉ. प्रतिमा खरे, डॉ. एएच अंसारी, डॉ. रजनी दुबे, डॉ. अंजना चतुर्वेदी, डॉ. निशा इंद्र गुरू, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. अनुभा शर्मा, डॉ. अपर्णा चाचोंदिया, डॉ. रश्मि माथुर सहित पूरा महाविद्यालय परिवार मौजूद रहा। आभार डॉ. दीपा खटीक ने माना।

अपनी कमियों को खोजो और उनका सामना करो

नवभारत न्यूज

सागर 21 दिसंबर. शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि छात्राएँ इस कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकती हैं.

उन्होंने ने कहा कि अपनी कमियों को खोजों और उनका सामना करों. कार्यशाला में वक्ता सचिन चौरसिया ने प्रतिभागियों को बैंकिंग, रेलवे, एस.एस.सी. परीक्षाओं की विस्तृत जानकारी दी. अध्यक्षता कर रहीं डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से हमारी छात्राएँ निश्चित रूप से लाभांवित होंगी. संचालन सचिव लेफ्निंट डॉ. अंशु सोनी ने किया. आभार कार्यशाला सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने माना.

कार्यशाला में डॉ. अंजना चतुर्वेदी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. अपर्णा चाचौंदिया, डॉ. पहलाद अहिरवार, डॉ. सीमा रैकवार, डॉ. पूनम कोहली, डॉ. निक्की बांगर, डॉ. राखी खटीक, पुष्पेंद्र पाण्डेय, अक्षय दुबे, अपूर्व दुबे, श्रीमति प्रीति गौतम उपस्थित रहीं.

किचनशेड
निरीक्षण

अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहें : द्विवेदी

सागर, आचरण संवाददाता।

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्ट महाविद्यालय सागर में "प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी: चुनौतियां एवं समाधान" विषय पर आयोजित हो रही। दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के चौथे दिवस के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी. प्रजापति ने यू.पी.एस.सी एवं एम.पी.पी. एस.सी के सिलेबस को विस्तार पूर्वक समझाते हुए कहा कि सर्वप्रथम रणनीति तैयार करें फिर पढ़ाई शुरू करें, एवं अपडेट रहे तभी लक्ष्य की प्राप्ति होगी।

रेवा ओजस एकेडमी से ऑनलाइन जुड़े प्रभाकर द्विवेदी ने यू.पी.एस.सी परीक्षाओं की तैयारी पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहें, नियमित रहे असफलताओं से सीखे और निरंतर आगें बढ़ते रहे। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. मनीष जैन ने कहा आपका दिमाग अनंत टेराबाइट्स है जितना चलाओगे अतना चलायमान रहेगा। इन्होंने सी.एस.आई.आर, यू.जी.सी. नेट, एम.पी. सेट की जानकारी देते हुए विभिन्न फैलोशिप के बारे में बताया महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि नियमित रूप से कक्षा में उपथित होकर अपने शिक्षक से विषय पर चर्चा करें इससे अपका ज्ञान विस्तृत होगा।

अध्यक्षता कर रही डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि आपके कैरियर की तैयारी के लिए मार्गदर्शकों द्वारा जो मार्गदर्शन दिया जा रहा है उस पर चलें आप निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे। संचालन कर रही कार्यशाला आयोजन सचिव डॉ. अंशु सोनी ने कहा कि अवसर उसी को मिलता है जिसमें काबिलियत होती है यह कार्यशाला आपकी इन्ही खुबियों को निखारने के लिये आयोजित की जा रही है। अंत में आभार कार्यशाला सह समन्वयक डॉ. संजय खरे ने माना।

कार्यशाला में लगभग 300 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक ... प्रतियोगी परीक्षा संबंधी अपनी आशंकाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यशाला में डॉ. अंजना चतुर्वेदी, डॉ. रश्मि दुबे. प्रासुक जैन डॉ. अपर्णा चाचोंदिया, डॉ. हरिओम सोनी, डॉ. प्रहलाद अहिरवार, डॉ. पूनम कोहली, डॉ. सीमा रैकवार, डॉ. निक्की बांगर, डॉ. राखी खटीक, मार्तण्ड सिंह राजपूत, अजय सेन सहित महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

सागर, आचरण संवाददाता।

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर में म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना अंतर्गत "प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी : चुनौतियाँ एवं समाधान" विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 20.12.2022 से 26.12.2022 तक का शुभारंभ आयुक्त, चंद्रशेखर शुक्ला, नगर निगम, सागर के मुख्य आतिथ्य एवं कमलेश मनरेगे, प्रबंधक, जिला उद्योग के विशिष्ट आतिथ्य में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। डॉ. प्रेम चतुर्वेदी के निर्देशन में संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुती की गई। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव लेफ्टीनेंट डॉ. अंशु सोनी ने करते हुए कहा कि बड़ी कामयाबी पाने के लिए छोटे-छोटे बदलाव. करना चाहिए। कार्यशाला समन्वयक डॉ. आंनद तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन देते हुएं कहा कि हमारे आमंत्रित अतिथि छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में पथ-प्रदर्शक की भूमिका निभाएँगे। कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्य प्रस्तुत करते हुए सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को निश्चित कर सही रणनीति बनाकर सफलता प्राप्त करने में मार्गदर्शक होगी। विशिष्ट अतिथि कमलेश मनरेगे ने प्रतिभागियों को सफलता के लिए तीन डी (ड्यूटी, डेडीकेशन एवं डिसीप्लिन) का अनुसरण करने की परामर्श देते हुए कहा कि छात्र पुस्तकालय में जाने की आदत डालें, ग्रुप डिस्कशन करें, इससे उन्हें सही जानकारी प्राप्त होगी। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि आयुक्त चंद्रशेखर शुक्ला ने प्रतिभागियों को यू.पी.एस.सी. की तैयारी की विस्तृत जानकारी दी।

एन.सी.आर.टी. जैसी अच्छी किताबों को पढ़ने एवं नोट्स बनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा एक औसत दर्जे का विद्यार्थी भी अपनी लगन, आत्मविश्वास एवं दृढ इच्छाशक्ति से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि सौभाग्य उसी को मिलता है जिसने अपने आपको उसके काबिल बनाया है, यह कार्यशाला छात्राओं को अपना भविष्य का लक्ष्य निर्धारित करने एवं आशंकाओं को दूर करने में मील का पत्थर साबित होगी। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. के.के. राव ने कहा कि संकल्प में कोई भी विकल्प नहीं होना चाहिए।

सकारात्मक सोच से निरन्तर बढ़ते रहे तो सफलता निश्चित मिलती है। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रही डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि छात्राओं के कैरियर निर्धारण में यह कार्यशाला उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यशाला के अंत में उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार डॉ. दीपा खटीक ने माना। कार्यशाला में लगभग तीन सौ छात्राओं ने पंजीयन कराते हुए अपनी सहभागिता की एवं विषय विशेषज्ञों से अपनी मन की आशंकाओं का निराकरण किया।

प्रबंधन ही व्यवसाय की समस्याओं का समाधान

सागर. शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. असफाक सिद्दीकी ने कहा कि नए व्यवसाय के लिए एक निश्चित नीति, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक कार्य क्षमता होना आवश्यक है. आलोक सिंह ठाकुर ने शासकीय क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी. प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि जो किताबी ज्ञान है उसे महज ज्ञान न समझें, वरन् उसे अपने जीवन में उतारें. डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रटकर, समझकर एवं अभ्यास करके ही आगे बढ़ सकते हैं. सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने संचालन किया. आभार सचिव डॉ. अंशु सोनी ने माना.

सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

सागर, आचरण संवाददाता।

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर म.प्र. में 20.12.2022 से प्रारंभ हुई ''प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी- चुनौतियाँ एवं समाधान'' विषय पर आधारित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतिम दिवस में समापन समारोह का आयोजन के.पी. सिंह, नगर पुलिस अधिक्षक के मुख्य आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ. इला तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आनंद तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यशाला छात्रों का मार्गदर्शन देने के अपने लक्ष्य में सार्थक हुई है। आयोजन सचिव ले.डॉ. अंशु सोनी ने इस सात दिवसीय कार्यशाला का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए छात्राओं से कहा कि आपने इन सात दिवसों में विषय-विशेषज्ञों से जो सीखा है, उसे आत्मसात् करें और लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ें। मुख्य अतिथि के.पी. सिंह ने उद्बोधन में छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक समस्या का समाधान खुद व्यक्ति के पास होता है, जैसे ही हम समस्या के पास जाते हैं, समस्या का समाधान स्वतः ही हो जाता है। प्रतियोगिता से डरें नहीं, उसका सामना करें। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि प्राशुक जैन ने कहा कि डिज़ायर पर सृष्टि नहीं चलती, सृष्टि चलती है डिज़र्विंग से, इसलिए मेहनत पर विश्वास करो। प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि यह कार्यशाला एक शुरूआत है, जो छात्रों के लक्ष्य निर्धारण में मार्गदर्शक होगी। भविष्य में भी महाविद्यालय में इस प्रकार के प्रयास जारी रहेंगे। कार्यशाला का कुशल संचालन डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने करते हुए कहा कि पढ़कर, लिखकर एवं समझकर अध्ययन करने से लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता मिलती है। अंत में आभार व्यक्त करते हुए सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने कहा कि इस कार्यशाला से प्रेरित होकर यदि एक छात्रा भी सफल होती है, तो यह कार्यशाला सार्थक होगी।

आपने कहा कि जिसके पास विश्वास है, वह कभी नहीं हारता। कार्यशाल के समापन पर उपस्थित अतिथियों के मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा 'युवा-नीति जागरूकता' हेतु रैली निकाली गई। इस अवसर पर लगभग 300 प्रतिभागी छात्राएँ एवं डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. आर.सी. प्रजापति, अनुराग चौरसिया, डॉ. अपर्णा चाचैंदिया, डॉ. हरिओम सोनी, डॉ. निक्की बांगर, डॉ. पुनम कोहली, कु. शुभांजलि रैकवार, कु. राखी खटीक, कृष्णाकांत, तेजस कटारे, अक्षय दुबे, पुष्पेन्द्र पाण्डेय, मार्तण्ड सिंह, अपूर्व दुबे, संजय सेन, सुनील रैकवार उपस्थित थे।